

**विद्युतचालक** वि. (तत्.) वह धातु या पदार्थ जिसके एक सिरे से स्पर्श होते ही विद्युत दूसरे सिरे तक चली जाय जैसे- ताँबा आदि के तार।

**विद्युतदर्शी** पुं. (तत्.) भौति. एक विशेष प्रकार का वह यंत्र जिससे यह पता चलता है कि किसी वस्तु में विद्युत धारा प्रवाहित हो रही है या नहीं तथा वह विद्युत किस प्रकार की है।

**विद्युतमापक** पुं. (तत्.) भौ. 1. एक प्रकार का वह यंत्र जिससे तारों में बहने वाली विद्युत धारा के वेग या व्यय को नापा जाता है 2. बिजली की शक्ति, गति आदि की दिशा को ज्ञात करने का एक यंत्र।

**विद्युतमाला** स्त्री. (तत्.) 1. मेघाच्छादित नभ में बिजली के कौंधने पर दिखाई पड़ने वाली चमकती हुई क्षणिक रेखा, विद्युल्लता 2. एक पक्षी काव्य. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में दो मगण और दो गुरु के क्रम से आठ वर्ण होते हैं तथा प्रत्येक चार वर्ण पर यति होती है।

**विद्युतमाली** पुं (तत्.) 1. एक राक्षस, रावण का एक पार्षद 2. विद्युत की माला धारण करने वाला 3. एक विद्याधर 4. एक देवता काव्य. एक छंद जिसके प्रत्येक चरण में भगण, मगण और दो गुरु होते हैं।

**विद्युल्लेखा** स्त्री. (तत्.) 1. आकाश में बादलों के बीच चमकने वाली बिजली की लीक, रेखा 2. काव्य. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः दो मगण के योग से कुल छह वर्ण होते हैं 3. विद्युल्लता।

**विद्रधि** पुं (तत्.) शरीर के किसी अंग में पीप या मवाद का होना, फोड़ा जिससे पीप बहता हो।

**विद्रवण** पुं (तत्.) वस्तु का पिघलना या गलना, द्रवित होना, पसीजना, भागना, पलायन।

**विद्रावक** पुं. (तत्.) धातु को पिघलाने वाला।

**विद्रावण** पुं (तत्.) 'पिघलाना, गलाना 2. भगाना 3. प्रेरित करना 4. पशु आदि को हाँक कर दूर करना 5. विरोधी, शत्रु को परास्त करना

**विद्रावी** वि. (तत्.) 1. वस्तु अथवा धातु को पिघलाने वाला गलाने वाला, तरल करने वाला 2. तरल होने वाला, गलने वाला, पिघलने वाला।

**विद्रुत** वि. (तत्.) 1. पिघला हुआ, गला हुआ 2. भागा हुआ।

**विद्रुम** पुं (तत्.) लाल रंग का मणि, मूंगा, प्रवाल 2. मूंगे का वृक्ष 3. कोपल 4. विद्रुम लता।

**विद्रूप** पुं (तत्.) 1. कुरूप, बदसूरत 2. उपहास, मजाक 3. अभिनय अथवा भाषण के द्वारा किसी का उपहास करना, खिल्ली उड़ाना।

**विद्रूषण** वि (तत्.) अवस्था, भाव विकृत करना, बिगाड़ना, किसी व्यक्ति, वस्तु का अत्युक्ति पूर्ण विकृत वर्णन, चित्रण जो हास्यास्पद हो।

**विद्रोह** पुं (तत्.) 1. किसी के प्रति शत्रुतापूर्ण कार्य, द्रोह 2. दुर्भाव होने पर राज्य या शासन के कानूनों, आज्ञाओं, नियमों आदि के विरुद्ध किया जाने वाला कार्य और व्यवहार, राजद्रोह, बगावत 3. देश, राज्य के विरुद्ध क्रांति के उद्देश्य से किया जाने वाला उपद्रव, विप्लव 4. विद्यार्थी, कर्मचारी आदि का अपने से बड़ों के प्रति, उपद्रवी व्यवहार।

**विद्रोही** वि (तत्.) किसी के प्रति शत्रुतापूर्ण व्यवहार करने वाला, द्रोह करने वाला, दुर्भाव होने पर राज्य या शासन के कानूनों, आज्ञाओं, नियमों आदि के विरुद्ध कार्य व्यवहार करने वाला राजद्रोही, बागी।

**विद्वज्जन** पुं (तत्.) विद्वान लोग, पंडित, ज्ञानी।

**विद्वत्कल्प** वि. (तत्.) थोड़ा या कम विद्वान।

**विद्वत्ता** पुं (तत्.) विद्वान होने का भाव, पांडित्य, वैदुष्य।

**विद्वद्वाद** पुं (तत्.) विद्वानों का विवाद विद्वानों/पंडितों की बहस।

**विद्वान** पुं (तत्.) जानकार होना, ज्ञानी होना, पूर्ण शिक्षित।